संस्कृत–III

बी.ए. (तृतीय सेमेस्टर)

Paper Code –

पाठ्यक्रम

संस्कृत – III बी०ए० (तृतीय सेमेस्टर)

Paper Code :

Maximum Marks : 80

समय : 3 घण्टे

घटक – I संस्कृत वाग्व्यवहारः **अंक 16**

संस्कृत व्यवहार साहस्री (प्रकाशक संस्कृत भारती, माता मंदिर गली, झण्डेवालन, नई दिल्ली)

पुस्तक में से 9 से 16 विषयों तक संस्कृत में सरल प्रश्नोत्तर रूप में लिखित परीक्षा।

(9 परीक्षा, 10 चलच्चित्रम्, 11 शिक्षकाः, 12 स्त्रियः, 13 पाकः, 14 वेशभूषणानि, 15 कार्यालयः, 16 स्वास्थ्यम्)

घटक – II संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम् **अंक 48**

क) रामायणम् (बालकाण्डम्, प्रथम सर्ग)

ख) श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

ग) रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)

(श्लोकों की व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न, सार आदि)

घटक – III पत्रलेखनम् **अंक 16**

सरल विषयों पर संस्कृत में पत्र लेखन

दिशा–निर्देश

घटक – I	चौदह में से किन्हीं आठ प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर	8	2	16
घटक – II	(क) आठ में से चार श्लोकों की व्याख्या	4	4	16
	(ख) आठ में से चार श्लोकों की व्याख्या	4	4	16
	(ग) i. चार में से श्लोक की व्याख्या	2	4	08
	ii. चार में से दो प्रश्न अथवा सार	2	4	08
घटक – III	चार में से किन्हीं विषयों पर संस्कृत में पत्रलेखन	2	8	16

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

पाठ्यक्रम 2

विषय सूची 3

इकाई – 1 : संस्कृत वाग्व्यवहारः 5–16

1.1 परिचय

1.2 इकाई के उद्देश्य

1.3 संस्कृत वाग्व्यवहारः

1.4 अपनी प्रगति जांचिए

1.5 सारांश

1.6 मुख्य शब्दावली

1.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

1.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

इकाई – 2 : संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम् 17–66

2.1 परिचय

2.1.1 रामायणम् (बालकाण्डम्, प्रथम सर्ग)

2.1.2 श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

2.1.3 रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)

2.2 इकाई के उद्देश्य

2.3 संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम्

2.3.1 रामायणम् (बालकाण्डम्, प्रथम सर्ग)

2.3.2 श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

2.3.3 रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)

2.4 अपनी प्रगति जांचिए

2.5 सारांश

2.5.1 रामायणम् (बालकाण्डम्, प्रथम सर्ग)

2.5.2 श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

2.5.3 रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)

2.6 मुख्य शब्दावली

2.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

2.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

2.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

इकाई – 3 : पत्रलेखनम् 67–80

3.1 परिचय

3.2 इकाई के उद्देश्य

3.3 पत्रलेखनम्

3.4 अपनी प्रगति जांचिए

3.5 सारांश

3.6 मुख्य शब्दावली

3.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

3.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

3.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

इकाई–1
संस्कृत वाग्व्यवहारः

इकाई की रूपरेखा

1.1 परिचय

1.2 इकाई के उद्देश्य

1.3 संस्कृत वाग्व्यवहारः

1.4 अपनी प्रगति जांचिए

1.5 सारांश

1.6 मुख्य शब्दावली

1.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

1.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

1.1 परिचय

प्रस्तुत इकाई में दैनन्दिक जीवन में काम आने वाले कुछ संस्कृत वाक्यों का संग्रह किया गया है। उसे बोलकर विद्यार्थी आपस में या कहीं समाज में संस्कृत भाषा का व्यवहार कर सकेंगे। इसे ठीक से अभ्यास करके संस्कृत भाषा भी नित्य व्यवहार में आ सकती है, यह प्रदर्शन कर सकते हैं। ज्यादा शब्दावली, व्याकरण के नियम, धातु शब्द आदि के स्मरण पर ध्यान देकर वाक्–व्यवहार सामर्थ्य बढ़ाया जाना भी सम्भव है। इस प्रकार ये सभी वाक्य अति महत्त्वपूर्ण हैं।

1.2 इकाई के उद्देश्य

दैनिक जीवन में काम आने वाले वाक्यों को संस्कृत में बोल सकेंगे;

समाज में संस्कृत सम्भाषण कर सकेंगे;

आपस में संस्कृत भाषा का व्यवहार कर पाएंगे;

परीक्षा, चलच्चित्रम्, शिक्षकाः तथा स्त्रियः आदि विषयों पर संस्कृत सम्भाषण कर पाएंगे;

पाकः, वेषभूषणानि, कार्यालयः तथा स्वास्थ्यम् आदि विषयों पर संस्कृत में वार्तालाप करने में समर्थ होंगे।

1.3 संस्कृत वाग्व्यवहारः

(संस्कृत व्यवहार साहस्री)

9. परीक्षा (परीक्षा)

परीक्षारम्भः कदा इति ज्ञातं किम् ?	परीक्षा कब होगी, कुछ पता चला ?
प्रवेशपत्रं स्वीकृतं किम् ?	क्या प्रवेशपत्र ले लिया ?

परीक्षा अग्रे सारिता ?	परीक्षा एक्सटेंड हो गयी।
किं परीक्षायाः समयसारिणी आगता ?	परीक्षा की समयसारिणी आई ?
परीक्षा कथम् आसीत् ?	परीक्षा कैसी रही ?
प्रश्नपत्रिका किन्चित् किलष्टा आसीत्।	प्रश्नपत्र जरा कठिन था।
अतीव सुलभा आसीत्।	बहुत सरल था।
अहं प्रथमश्रेण्याम् उत्तीर्णः।	मैं प्रथम श्रेणी में पास हुआ।
ह्यः एव फलितांशः प्रकटितः।	कल ही परीक्षा फल निकला।
अङक्द्वयेन प्रथमश्रेणी न लब्धा।	दो अंकों से प्रथम श्रेणी छूट गई।
प्रश्नेषु विकल्पः एव नासीत्।	वैकल्पिक प्रश्न ही नहीं थे।
फलितांशः श्वः ज्ञातः भविष्यति।	कल परीक्षा फल निकलेगा।
किं, शिशिरः उत्तीर्णः ?	क्या शिशिर पास हुआ ?
वदति स्म यत् एकपत्रम् अवशिष्टम् इति।	कह रहा था कि एक पेपर (पेपर) रह गया है।
पठामि, किन्तु स्मरणे किमपित न तिष्ठति।	पढ़ता हूँ, पर कुछ भी याद नहीं रहता।
दशवारं पठितवान्, तथापि न स्मरामि।	दस–दस बार पढ़ा, फिर भी याद नहीं रहा।
प्रायशः द्वितीय श्रेणी लभ्येत।	प्रायः दूसरी श्रेणी मिल सकेगी।
अस्माकं गणे सर्वेऽपति उत्तीर्णाः।	हमारे गुट / दल के सब पास हैं।
प्रतिशतं कति अङकाः प्राप्ताः ?	प्रतिशत कितने अंक हैं ?

10. चलच्चित्रम् (चलचित्र)

मासे कति चित्राणि पश्यति ?	महिने में कितने चित्र देखते हो ?
द्वयं त्रयं वा।	दो या तीन।
चित्रमन्दिरं पूर्णम् आसीत्।	चित्रमन्दिर भरा था।
महान् सम्मर्दः आसीत्।	बहुत भीड़ थी।
चिटिका न लब्धा किम् ?	टिकट नहीं मिली क्या ?
चित्रं कथम् आसीत् ?	सिनेमा कैसा रहा ?
करमुक्तम् इति दृष्टवान्।	टैक्स–फ्री था, इसलिए देखा।
कः निर्देशकः ? / कस्य निर्देशनम् ?	कौन निर्देशक है ? / किस का निर्देशन है ?
तर्हि समीचीनम् एव स्यात्।	तब बहुत अच्छा ही होगा।

संवादः समीचीनः अस्ति / कथा समीचीना अस्ति। संवाद अच्छा है। / कथा अच्छी है।

एतद् द्वितीयवारं पश्यन् अस्मि। इसको दुबारा देख रहा हूँ।

एकमपि चित्रं सम्यक् नास्ति। कोई भी चित्र अच्छा नहीं है।

परह्यः एव दृष्टवान् अहम्। मैंने परसों ही देख लिया।

केवलं निस्सारं, जामिता भवति। अरे बेकार है; बोर है।

तर्हि किमर्थं द्रष्टव्यम् ? तब क्यों देखें ?

मयापि एकवारं द्रष्टव्यम्। मैं भी एक बार देख लूँ।

सर्वे मिलित्वा गतवन्तः किम् ? क्या सभी साथ गए थे ?

केवलं धनं व्यर्थम्। व्यर्थ खर्च हुआ।

11. शिक्षकाः (शिक्षक)

भवतः वेतनश्रेणी का ? आप की कौन–सी वेतन श्रेणी है ?

इदानीं सर्वत्र समाना किम् ? अब तो हर कहीं एक–सी है न ?

प्राचार्यस्य आदेशं दृष्टवान् किम् ? प्राचार्य का आदेश देखा गया ?

अहो! तत्तु सामान्यम्। अरे, वह तो सामान्य बात है।

अधिवेतनं लब्धं किम् ? क्या वार्षिक–वृद्धि मिली ?

लिपिकं दृष्टवान् किम् ? क्या लिपिक बाबू से मिले हो ?

एवं चेत् कथं जीवामः ? ऐसा है तो कैसे जीयेंगे।

महान् कोलाहलः इति श्रुतवान्। सुनते हैं कि बड़ा हल्ला मचा था।

किम्, समाचार–पत्रं पठितम् ? क्या समाचार पत्र देखा ?

वेतनं वर्धितम्। वेतन बढ़ा दिया गया है।

कदा आरभ्य अन्वयः ? कब से लागू होगा ?

इदानीं कक्षा अस्ति किम् ? क्या अभी वर्ग लगता है ?

अद्य कक्षां न स्वीकरोमि इति सूचयतु। कह दो, आज वर्ग नहीं लेंगे।

किं प्राचार्यः आगतः ? क्या प्राचार्य आयें हैं ?

अस्मिन् मासे कति अवकाशाः ? इस महीने कितनी दिन छुट्टी है ?

परश्वः अवकाशः भवेत् किम् ? क्या परसों छुट्टी होगी ?

प्रश्नपत्रिका किं सज्जीकृता ? प्रश्नपत्र तैयार किया क्या ?

अस्मिन् वर्षे फलितांशः कथम् ?	इस बार का परीक्षा फल कैसा है ?
एतावन्तः अङ्का कथं लब्धाः ?	अरे, इतने अंक कैसे मिले ?
परीक्षकाणाम् औदार्यम्।	परीक्षकों की उदारता समझिये।
परीक्षा अन्या, योग्यता अन्या।	परीक्षा की बात अलग है, योग्यता की बात अलग है।
मौल्यमापनार्थं गच्छति किम् ?	क्या जाँचकार्य में जायेंगे।
मौलयमापनं कुत्र ?	जाँच कार्य कहाँ होगा ?
अस्वस्थः चेदपि आगतवान्।	स्वास्थ्य ठीक नहीं है; फिर भी आया।
अद्यतन बालास्तु ..... !	आजकल के लड़के तो .....।
अये, अत्र आगच्छतु।	अरे, यहाँ आओ।
गणितस्य अध्यापकः अस्ति वा इति पश्यतु।	जरा देखो, गणित के शिक्षक हैं क्या ?
ते तु बालाः खलु !	आखिर वे तो लड़के हैं।
किं भोः, सम्यक् पठति खलु ?	भैया/बेटा पढ़ाई अच्छी तरह कर रहे हो न ?
संशयः अस्ति चेत् पृच्छन्तु।	कोई सन्देह हो तो पूछ लेना।
ज्ञातं किम् ?	समझे ?
पुनः एकवारं वदतु।	और एक बार सुनाओ।
एकम् अपि गणितं न कृतवान् किम् ?	गणित का एक भी सवाल नहीं किया ?
एवं चेत् परीक्षायां किं भवेत् ?	ऐसा करोगे तो परीक्षा में क्या होगा ?
सेवकं किञ्चित् आह्णयतु।	नौकर को आवाज दो।
घण्टा नादिता किम् ?	घण्टी बज गई क्या ?
टिप्पणी लिखन्तु।	टिप्पणी लिख लीजिये।
एकोऽपि न जानाति किम् ?	क्या कोई भी नहीं जानता।
भगवान् ज्ञातवान् किम् ? वदतु किञ्चित्।	क्या तुमने समझ लिया ? तब थोड़ा सुनाओ।
अद्य एतावदेव पर्याप्तम्।	आज इतना ही पर्याप्त है।
इमम् अनुच्छेदं पूर्णं कृत्वा समापयाम।	इस अनुच्छेद को पूरा करके, समाप्त करेंगे।
श्वः इमम् सम्यक् पठित्वा आगन्तव्यम्।	कल इसे अच्छी तरह पढ़कर आना।
किं गृहे किमपि पठसि।	क्या घर पर कुछ पढ़ते हो ?
किमर्थं कोलाहलः ?	क्यों शोर मचा रहे हो ?
ह्यः कियत् पर्यन्तं पाठितवान् ?	कल कहाँ तक पढ़ाया था ?

12. स्त्रियः (महिलाएँ)

गृहकार्यं सर्वं समाप्तं किम् ?	क्या घर का सब काम समाप्त हो गया ?
समाप्तप्रायम्।	लगभग समाप्त है।
किं द्वित्राणि दिनानि न दृष्टा !	क्यों दो–तीन दिन से दिखाई नहीं दे रही थी।
अहं मातृगृहं गतवती आसम्।	मैं मायके गई थी।
एषु दिनेषु विमला मिलितवती किम् ?	क्या कभी विमला इधर मिली थी ?
कार्यालयतः तस्य आगमनस्य समयः एषः।	यह तो उनके कार्यालय से लौटने का समय है।
ममापि बहु कार्यम् अस्ति।	मेरा भी बहुत काम है।
अतिथयः आगताः सन्ति।	अतिथि आये हुये हैं।
किञ्चित् शर्करां ददाति वा ?	क्या थोड़ी चीनी देंगी ?

शर्करां – शक्कर को	सुपिष्टं – मैदा को
दुग्धं – दूध को	पृथुकं – चिउड़ा को
चायचूर्णं – चाय पाउडर को	चालनीम् – चालनी को

भवतः माता किं करोति स्म ?	तुम्हारी माँ क्या कर रही थी ?
अद्य प्रातः आरभ्य बहु कार्याणि।	आज सवेरे से बहुत सारे काम थे।
तेषां पुत्र्याः विवाहः निश्चितः इति श्रुतवती।	सुनती हूँ कि उनकी बेटी की सगाई पक्की हो गई।
वरः विदेशे अस्ति।	लड़का (वर) विदेश में रहता हैं।
कन्यायाः कृते किं किम् आभूषणं दास्यति ?	दुलहन को क्या–क्या गहने देंगे ?
मृत्तैलं लब्धं किम् ?	क्या मिट्टी का तेल मिला ?
मृत्तैल विक्रीयते इति श्रुतवती।	सुनती हूँ कि मिट्टी का तेल बिक रहा है।

13. पाकः (रसोई)

पाकः समाप्तः किम् ?	क्या रसोई हो गई ?
अद्य कः पाकः ?	आज क्या–क्या बनाया है ?
भोजनं कृतं किम् ?	भोजन किया ?
भवत्याः गृहं कश्चिद् आगतः इव।	लगता है कि आपके घर कोई आए हुए है।
अन्यत् किमपि नास्ति, केवलं रोटिका।	कुछ नहीं लिया, केवल रोटी बनायी थी।
अस्मद्गृहे एकैकस्य रूचिः।	हमारे घर पर हर एक की अपनी–अपनी रूचि है।

14. वेषभूषणानि (वस्त्र, आभूषण इत्यादि)

किं भवत्याः शाटिका नूतना ?	क्या आपकी यह साड़ी नई है।
नैव, गतवर्षे एव क्रीतवती।	नहीं तो, पिछले साल ही खरीदी थी।
तथापि नूतनम् इव प्रतिभाति।	फिर भी नई दिखती है।
एतादृशी शाटिका मम समीपे अपि अस्ति।	ऐसी ही साड़ी मेरे पास भी है।
अहं नूतनां शाटिकां क्रीतवती।	मैंने नई साड़ी खरीदी।
अञ्चलः बहु सम्यक् अस्ति।	आँचल बहुत अच्छा है।
एतां कुतः क्रीतवती ?	इसे कहाँ से खरीदी ?
शाटिकायाः अनुरूपं चोलः न लब्धः।	साड़ी के अनुरूप चोली नहीं मिली।
वलयस्य विन्यासः आकर्षकः अस्ति।	चूड़ी कंगन की बनावट बहुत आकर्षक है।
शाटिकया सा प्रौढ़ा इव दृश्यते।	साड़ी के कारण वह बड़ी जैसी दिखाई पड़ती है।
परिणाहः बहु न्यूनः।	पन्ना बहुत कम है।
अहम् अपि एकां क्रेतुम् इच्छामि।	मैं भी एक खरीदना चाहती हूँ।
बहु सुन्दरम् अस्ति खलु एतद् ?	यह बहुत सुन्दर लगता है न ?
भवत्याः एतद् युज्यते।	यह आपकी फबती है।
कियद् दत्तवती ?	कितना दिया ?
मुम्बयीतः मम अग्रजः आनीतवान्।	मुम्बई से मेरे भैया लाये हैं।

15. कार्यालयः (कार्यालय)

भवान् कति दिनानि अवकाशं स्वीकरोति ?	आप कितने दिनों की छुट्टी ले रहे हैं ?
एषु दिनेषु महान् कार्यभारः।	इन दिनों बहुत काम रहता है।
एतत् सूचनाफलके स्थापयतु।	इसे सूचना–पट पर लगा दो।
अत्र हस्ताङ्कं करोतु।	यहाँ हस्ताक्षर कीजिए।
सः अवकाशं स्वीकृतवान्।	वह छुट्टी पर है।
अस्मिन् विषये पुनरपि चिन्तयामि।	इसके बारे में फिर विचार करूँगा।
आगामिसप्ताहे मां पश्यतु।	अगले हफ्ते मुझसे मिलिये।
अस्मिन् विषये अनन्तरं वदामि।	इसके बारे में बाद में बताऊँगा।
एतत् अहम्, अवश्यमेव स्मरामि।	मैं इसे अवश्य याद रखूँगा।

भवदुक्तं सर्वं ज्ञातवान् भोः।	आप की सारी बातें समझ ली।
अत्र तस्य एव सर्वाधिकारः।	यहाँ तो उसी की तानाशाही है।
मम कृते काऽपि दूरभाषा आगता किम् ?	क्या मेरे लिये फोन आया था ?
आं, भवतः कृते दूरभाषा आगता आसीत्।	हाँ, आपके लिये फोन आया था।
भवान् कस्मिन् पदे नियुक्तः अस्ति ?	आप किस पद पर नियुक्त हैं ?
एषः सर्वदा आगत्य पीडयति।	यह सदा आकर सताता है।
इदानीं समयः अतीतः।	अब समय बीत गया।
कृपया श्वः आगच्छतु।	कृपया कल आइये।
सः आगतवान् इति स्मरामि।	ऐसा याद है कि वह आया।
पञ्चवादनपर्यन्तम् अत्रैव आसीत्।	पाँच बजे तक यहीं रहा।
माम आहूतवान् किम् ?	क्या मुझे बुलाया ?
तस्य व्यवस्थाम् अहं करोमि।	उसका प्रबन्ध मैं कर दूँगा।
कार्यालयस्य कदा अवकाशः ?	कार्यालय का अवकाश कब होता है।
एतद्विषये श्वः पुनरति स्मारयतु।	इसके बारे में कल फिर से याद दिलाना।
तम् अत्र आगन्तुं सूचयतु।	उन्हें यहाँ आने के लिये कहो।
किमर्थम् इदानीम् अपि कार्यं न आरब्धम् ?	अभी तक काम क्यों नहीं शुरू किया ?
अन्येषाम् उपहासेनैव कालं यापयति सः।	वह तो दूसरों की मजाक उड़ाने में ही समय बिताता है।
मया किं करणींय, वदतु।	बताइये कि मुझे क्या करना है।
अहं किं करोमि भोः ?	मैं क्या करूँ ?
अस्तु, परिशीलयामः।	ठीक है, देखेंगे।
चलतु, किञ्चित् काफी पिबामः।	चलिये, थोड़ी काफी पी लें।
भवान् शीघ्रं प्रत्यागमिष्यति खलु ?	आप जल्दी ही वापस आयेंगे न ?
कृपया उपविशतु।	कृपया बैठिये।
पञ्चनिमेषेषु कृत्वा ददामि।	पाँच मिनट में कर के देता हूँ।
अद्य सः अत्र नास्ति।	आज वह यहाँ नहीं है।
सः एक सप्ताहाभ्यन्तरे आगच्छेत्।	वह हफ्ते भर के बाद आयेगा।

16. स्वास्थ्यम् (स्वास्थ्य)

मम स्वास्थ्यं समीचीनं नास्ति।	मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

महती पादवेदना।	पैर में बहुत दर्द है।
सामान्यतः शिरोवेदना तदा तदा आगच्छति।	सिरदर्द तो अक्सर सताया करता है।
किञ्चित् ज्वरः इव .....।	बुखार सा लगता है।
वैद्यं पश्यतु।	डॉक्टर से मिलिये।
मम वमनशङ्का।	जी मिचला रहा है।
वैद्यस्य निर्देशनं स्वीकरोतु।	डॉक्टर की सलाह दो।
किमर्थं कण्ठः अवरूद्धः ?	गला क्यों बन्द है ?
अहम् अतीव श्रान्तः।	मैं बहुत थक गया हूँ।
तस्य आरोग्यं कथम् अस्ति ?	उनका स्वास्थ्य कैसा है।
अद्य किञ्चित्सम्यक् अस्ति।	आज तो कुछ अच्छा है।
प्रातः आरभ्य लघु शिरोवेदना।	सबेरे से सिर में थोड़ा दर्द है।
आरोग्यं तावत् सम्यक् नास्ति।	स्वास्थ्य उतना अच्छा नहीं है।
वैद्यं कदा दृष्टवान् ?	डॉक्टर से कब मिले थे ?
उत्साहः एव नास्ति भोः।	उत्साह ही नहीं है।
ह्यः तु स्वस्थः आसीत्।	कल तो ठीक ही था।
किम् अद्य अहं भोजनं कर्तुं शक्नोमि ?	क्या आज मैं भोजन कर सकता हूँ ?
अद्य ज्वरः कथम् अस्ति ?	आज बुखार कैसा है ?
यथावत्।	वैसा ही है।
तदा तदा उदरवेदना भवति खलु ?	कभी कभी पेट में दर्द होता है न ?
ज्वरपीड़ितः किम् ? कदा आरभ्यः ?	क्या बुखार है ? कब से ?
अहो ! रक्तं स्रवति !	अहो ! खून बह रहा है !
अपघाते सः जीवितः इत्येव विशेषः।	आश्चर्य की बात है कि वह दुर्घटना में बच गया।
सः चिकित्सालयं प्रवेशितः।	वह अस्पताल में दाखिल हुआ।
मम शिरः भ्रमति इव।	मुझे चक्कर–सा आ रहा है।

17. समयः (समय)

कः समयः ?	क्या बजा है ?
सपाद–चतुर्वादनम्।	सवा चार।
द्विवादने अवश्यं गन्तव्यम् अस्ति।	दो बजे अवश्य जाना है।

त्रिवादने एकं यानम् अस्ति।	तीन बजे एक गाड़ी है।
पादोन–षड्वादने भवान् मिलति किम् ?	क्या पौने छः बजे आप मिलेंगे ?
सार्ध–पञ्चवादने अहं गृहे तिष्ठामि।	साढ़े पाँच बजे मैं घर पर रहता हूँ।
पञ्चन्यून–दशवादने मम घटी स्थगिता।	दस बजने में पाँच मिनट रहते मेरी घड़ी बन्द हो गई।
संस्कृतवार्ताप्रसारः सायं दशाधिक– षड्वादने।	छः बजकर दस मिनट पर संस्कृत में समाचार प्रसारित होता है।
सार्धद्विघण्टात्मकः कार्यक्रमः।	ढाई घण्टे का कार्यक्रम है।
षड्वादनपर्यन्तं तत्र किं करोति ?	छः बजे तक वहाँ क्या करोगे ?
विद्यालयः दशवादनतः किम् ?	क्या स्कूल दस बजे से है ?
इतोऽपि यथेष्टं समयः अस्ति।	अभी काफी समय है।
सः षड्वादनतः सप्तवादनपर्यन्तं योगासनम् करोति।	वह छः बजे से सात बजे तक योगासन करता है।
मम घटी निमेषद्वयम् अग्रे सरति।	मेरी घड़ी दो मिनट तेज चलती है।
समये आगच्छतु।	समय पर आना।
अरे ! दशवादनम् !	अरे ! दस बज गये !
भवतः घटी आकाशवाणी समयम् अनुसरति किम् ?	क्या आप की घड़ी रेडियो समय से मिलती है ?
इदानी यथार्थः समयः कः ?	अभी ठीक समय क्या है ?
किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?	इतनी देर क्यों हुई ?
इदानीं भवतः समयावकाशः अस्ति किम् ?	क्या आपके पास समय है ?
रविवासरे कः दिनांकः ?	रविवार को क्या दिनांक है ?
रविवासरे चतुर्विंशतितमः दिनांकः।	रविवार को चौबीस दिनांक है।
पञ्चदशदिनाङ्केकः वासरः ?	पन्द्रहवे दिनांक को कौन सा दिन होगा ?
भवतां विद्यालयः कदा आरब्धः ?	आप लोगों का स्कूल कब खुला ?
जून–प्रथमदिनांके।	जून की पहली तारीख को।
भवतः जन्मदिनांकः कः ?	आपका जन्मदिनांक क्या है ?
अष्टादश–अक्टूबर–षडशीतिः।	अठारह अक्टूबर उन्नीस सौ छियासी।

18. दूरभाषा (दूरभाषा)

हरिः ओ३म्! संस्कृत–भारती !	हलो ! संस्कृत–भारती।
संस्कृतभारत्याः कार्यालयः, किम् ?	क्या संस्कृत–भारती का कार्यालय है।

राजु महोदयस्य गृहं किम् ?	क्या राजुजी का घर है ?
एषा षट्–शून्यं–शून्यं–शून्यं चत्वारि किम् ?	यह छः–शून्य–शून्य–शून्य (जीरो–जीरो– जीरो) चार है
कः तत्र ? / कः सम्भाषणं करोति ?	कौन वहाँ ? / कौन बोल रहा है ?
अहं कृष्णः।	मैं कृष्ण हूँ।
कः अपेक्षितः ?	किसे चाहते हैं ?
कृष्णः गृहे अस्ति किम् ?	क्या कृष्ण घर में है।
क्षम्यताम्, सः गृहे नास्ति।	क्षमा कीजिये, वह घर पर नहीं है।
कृपया एतद् कृष्णं सूचयतु।	कृपया यह कृष्ण को कह दीजिये।
कृपया तम् आह्वयतु।	कृपया उन्हें बुलाइये।
अस्तु, एकक्षणं तिष्ठतु।	ठीक है, जरा ठहरिये।
कः दूरभाषां कृतवान् इति वदामि ?	किसने फोन किया यह बताऊँ ?
सः श्वः आगच्छैत।	वह कल आये।
सः श्वः पुनः दूरभाषां करोमि।	अच्छा, कल फिर से फोन करेंगे।
किम्, इदानीमपि न आगतवान् ?	क्या अभी भी नहीं आये ?
तस्य दूरभाषासंख्या वदति किम् ?	क्या उसका फोन नंबर बताओगे ?
गृहे मिलेत् किम् ?	क्या घर पर मिलेंगे ?
चैन्नैतः इदानीमपि न आगतवान्।	चेन्नै से अभी तक नहीं आये।
अवश्यं सूचयिष्यामि।	अवश्य बताऊँगा।
स्थापयामि किम् ?	क्या रख दूँ ?
किञ्चित् उच्चैः वदतु।	जरा जोर से बोलिये।

19. वाणिज्यम् (वाणिज्य)

रुप्यकस्य कति फलानि।	एक रूपये में कितने फल दोगे ?
एकस्य पञ्चविंशति पैसाः।	पच्चीस पैसे में एक।
रूप्यकस्य पञ्च।	रूपये में पांच।
शुद्धं नवनीतं ददातु।	शुद्ध मक्खन दीजिये।
पुस्तकानि समाप्तानि।	पुस्तकें समाप्त हो गई।
एतद् पुस्तकं नास्ति किम् ?	यह पुस्तक नहीं है क्या ?

तण्डुलः सम्यक् नास्ति।	चावल अच्छा नहीं है।
किं विंशतिः रुप्यकाणि ? तर्हि मास्तु।	क्या बीस रूपये ? तब नहीं चाहिये।
आवश्यकम् आसीत्, परन्तु भवान् मूल्यम् अधिकं वदति।	अरे चाहिये था पर आप महँगा बोलते है
तत्र गमनं मास्तु भोः, सः बहुमूल्यं वदति।	उधर मत जाइये, वह बहुत महँगा बोलता है।
कृपया देयकं / प्रप्तिपत्रं ददातु।	कृपया बिल / रसीद दीजिये।
दश पैसाः न्यूनाः सन्ति।	दस पैसे कम हैं।
मम व्यवहारं समापयतु।	मेरा हिसाब समाप्त कर दीजिये।
भवतः वाणिज्यं कथमस्ति।	आप का व्यापार कैसे चल रहा है ?

1.4 अपनी प्रगति जांचिए

1 गृहकार्यं सर्वं समाप्तं किम् ?

2 सः अद्य कार्यालये न दृश्यते।

3 भवान् स्वस्थः न प्रतीयते ?

4 अद्य ज्वरः कथम् अस्ति ?

5 परीक्षाकथम् आसीत् ?

1.5 सारांश

प्रस्तुत इकाई में दैनिक जीवन में काम आने वाले कुछ संस्कृत वाक्यों का संग्रह किया गया है। ये संस्कृत वाक्य संस्कृतभारती द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'संस्कृतव्यवहार– साहस्री' से उद्धृत किए गए हैं। इस इकाई में संस्कृतव्यवहारसाहस्री पुस्तक के 9 से 16 विषय उद्धृत किए गए हैं, जो इस प्रकार हैं –

9. परीक्षा 10. चलच्चित्रम् 11. शिक्षकाः 12. स्त्रियः

13. पाकः 14. वेषभूषणानि 15. कार्यालयः 16. स्वास्थ्यम्

इन विषयों पर आधारित वाक्यों का अभ्यास करके विद्यार्थी कहीं भी संस्कृत भाषा में वार्तालाप करने में प्रवीण हो सकेंगे तथा यह प्रदर्शित कर सकेंगे कि संस्कृत भाषा भी नित्य व्यवहार में आ सकती है।

1.6 मुख्य शब्दावली

चायचूर्णं – चाय पाउडर को

समीचीनम् – बहुत अच्छा

निस्सारं – बेकार

अद्यतन – आजकल

उदरवेदना – पेट में दर्द

1.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

1 समाप्तप्रायम्

2 सः विरामं स्वीकृतवान्

3 मम आरोग्यं समीचीनं नास्ति

4 यथावत्

5 प्रश्नपत्रिका अतीव सरला आसीत्

1.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1 परीक्षारम्भः कदा इति ज्ञातं किम् ?

2 अस्मिन् मासे कति अवकाशाः ?

3 एतावन्तः अंकाः कथं लब्धाः ?

4 कन्यायाः कृते किं किम् आभूषणं दास्यति ?

5 तस्य आरोग्यं कथम् अस्ति ?

1.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

1 संस्कृतवाक्यप्रबोधः – स्वामी दयानन्द सरस्वती, आचार्य प्रिटिंग प्रेस, दयानन्दमठ, रोहतक।

2 संस्कृत–व्यवहार–साहस्री, प्रकाशक – संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान नई दिल्ली।

3 रचनानुवादकौमुदी – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4 अनुवाद–चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल 'हंस' मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

5 अभ्यासपुस्तकम् – विश्वास, संस्कृत भारती, बेंगलूरु।

6 रूपचन्द्रिका – डॉ० सुखराम, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।